आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 12.04.2026 समय : 1905

<><><><><><><>

1. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा – महिला आरक्षण अधिनियम को सही भावना के साथ लागू करने का समय आ गया। संसद सदस्यों से इस अधिनियम में संशोधनों को पूर्ण समर्थन से पारित करने का आह्वान किया।
2. द्वीपसमूह में 'मकान सूचीकरण और आवास जनगणना' कार्य जारी– निदेशालय ने लोगों से स्व–गणना करने की अपील की।
3. ज्ञान भारतम् मिशन के तहत कला एवं संस्कृति विभाग ने लोगों से ऐतिहासिक महत्व की सामग्रियां साझा करने की अपील की।
4. पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित 3 दिवसीय आइलैंड फूड फेस्टिवल के तहत सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए है।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि महिला आरक्षण कानून पर सच्ची भावना के साथ अमल करने का समय आ गया है ताकि दो हजार उनतीस से लोकसभा और विधानसभा चुनाव महिला आरक्षण के साथ कराए जा सकें। लोकसभा और राज्यसभा में सदन के नेताओं को लिखे पत्र में श्री मोदी ने महिला आरक्षण कानून में संशोधन के मुद्दे पर सभी सदस्यों से एकजुट होने का अनुरोध किया। इस कानून को नारी शक्ति वंदन अधिनियम का नाम दिया गया है।

<><><><><><><>

प्रख्यात गायिका और पद्म विभूषण से सम्मानित आशा भोसले का आज मुंबई में बानबे वर्ष की आयु में निधन हो गया। आशा भोसले का करियर आठ दशक से अधिक लंबा रहा और वे अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाती थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रख्यात गायिका आशा भोसले के निधन पर शोक व्यक्त किया है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि उनके निधन से संगीत जगत में एक शून्य उत्पन्न हो गया है। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने प्रसिद्ध गायिका आशा भोसले के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने भावपूर्ण ग़ज़लों और पारंपरिक भजनों में महारत हासिल की और भारतीय संगीत पर

एक अमिट छाप छोड़ी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी आशा भोसले के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया और उन्हें भारत की सबसे प्रतिष्ठित और बहुमुखी आवाजों में से एक बताया। गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पद्म विभूषण से सम्मानित गायिका आशा भोसले के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

<><><><><><>

भारत की जनगणना 2027 का पहला चरण 'मकान सूचीकरण और आवास जनगणना' द्वीपसमूह में पहली अप्रैल, से शुरू हो गया है। 16 अप्रैल से 15 मई तक गणनाकारों द्वारा घरों से डेटा एकत्र करने हेतु क्षेत्र स्तर पर मकान सूचीकरण का कार्य जारी रहेगा। इस बार, जनगणना पूरी तरह से वेब पोर्टल और मोबाइल ऐप की मदद से डिजिटल माध्यम से आयोजित की जाएगी। इसमें आम जनता को विशेष सुविधा के रूप में 'स्व–गणना' का विकल्प दिया गया है। स्व–गणना की अवधि के दौरान, परिवार का कोई भी सदस्य पोर्टल se.census.gov.in के माध्यम से परिवार का विवरण डिजिटल रूप से दर्ज कर सकता है। प्रक्रिया पूरी होने पर, एक विशिष्ट 'स्व–गणना आईडी' प्राप्त होगी, जिसे सत्यापन और प्रमाणीकरण के लिए गणनाकारों को देना होगा। जनगणना कार्य निदेशालय ने लोगों से स्व–गणना सुविधा का लाभ उठाने की अपील की है।

<><><><><><>

अंडमान निकोबार द्वीप समूह में संघशासित कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन संस्था की अंतर्विभागीय कार्य समूह की बैठक पुनर्निर्धारित की गई है। यह बैठक अब कल सुबह 11 बजे सचिवालय के लघु सम्मेलन कक्ष में आयोजित होगी। बैठक में वर्ष 2026–27 के संशोधित राज्य विस्तार कार्य योजना की समीक्षा की जाएगी। सभी संबंधित अधिकारियों से निर्धारित समय पर बैठक में उपस्थित रहने को कहा गया है।

<><><><><><>

संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत ज्ञान भारतम् मिशन के तहत कला एवं संस्कृति विभाग की ओर से युवाओं को उनकी जड़ों से जोड़ने के लिए केंद्रशासित प्रदेश स्तरीय मिशन की शुरूआत की गई है। मिशन के तहत तीनों जिलों में पुरानी पांडुलिपियों, ऐतिहासिक दस्तावेजों, मानचित्रों, पुरानी तस्वीरों की पहचान करना और उन्हें संरक्षित करना, ज्ञान भारतम् सर्वे ऐप पर ऐतिहासिक महत्व की सामग्रियों को अपलोड करना शामिल है। प्रशासन ने जनता, विद्वानों और संस्थानों से ऐतिहासिक सामग्रियां साझा करने की अपील की है। इसमें आम जनता ऐतिहासिक महत्व की पांडुलिपियों और सामग्रियों को साझा करके, व्यक्तियों या संगठनों के पास मौजूद सामग्रियों की जानकारी देकर और द्वीपों से संबंधित दुर्लभ अभिलेखों की पहचान

और दस्तावेजीकरण में सहायता करके योगदान दे सकते हैं। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि सामग्री का मालिकाना हक मूल धारकों के पास ही रहेगा। योगदानकर्ताओं को सम्मानित भी किया जाएगा। इच्छुक व्यक्ति कला एवं संस्कृति विभाग संपर्क कर सकते हैं।

<><><><><><><>

पर्यटन विभाग 'स्वाद, संस्कृति और परंपरा का उत्सव' विषय पर 3 दिवसीय आइलैंड फूड फेस्टिवल, 17 से 19 अप्रैल तक प्रदर्शनी मैदान में आयोजित करेगा। कार्यक्रम शाम 5 बजे से रात 9 बजे तक चलेगा। इस संबंध में विभाग ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए व्यक्तियों, सांस्कृतिक संघों और स्कूल–कॉलेज के छात्रों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। चयनित प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। चयन ऑडियो–विजुअल रिकॉर्डिंग और प्रदर्शन की गुणवत्ता के आधार पर किया जाएगा। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के आयोजन किए जाएंगे। प्रतिभागियों को पंजीकरण के लिए कार्यक्रम से 1 घंटा पहले रिपोर्ट करना होगा। इच्छुक प्रतिभागी अपनी प्रविष्टियाँ 15 अप्रैल शाम 4 बजे तक जमा कर सकते हैं।

<><><><><><><>

श्री विजयपुरम नगरपालिका परिषद की ओर से शहर के सभी क्षेत्रों में उपलब्ध जल संसाधनों का समान वितरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक अस्थायी जल आपूर्ति कार्यक्रम जारी किया गया है। विस्तृत कार्यक्रम नगरपालिका परिषद की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है और इसे क्यू आर कोड स्कैन कर देखा जा सकता है।

<><><><><><><>

ग्राम पंचायत चैनपुर में 15 दिवसीय बेंत एवं बांस प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह हाल ही में आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सीडी ब्लॉक मायाबंदर द्वारा दीनदयाल अंत्योदय योजना–राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत आयोजित किया गया, जबकि प्रशिक्षण उद्योग विभाग, बकुलतला द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम में 30 स्वयं सहायता समूह सदस्यों ने भाग लिया और बांस शिल्प से जुड़े विभिन्न कौशल सीखे, जिससे उनकी आजीविका और स्वरोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी।

<><><><><><><>

ग्राम विकास एवं पंचायती राज निदेशक डॉ. अपूर्व शर्मा ने प्रातरापुर स्थित सीडी ब्लॉक के अंतर्गत पत्थरगड्डा में दीनदयाल अंत्योदय योजना के तहत गठित स्वयं सहायता समूहों के 'खुशी ब्लॉक लेवल फेडरेशन' कार्यालय का कल उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रातरापुर की खंड विकास अधिकारी गुरजीत

कौर सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यालय में एक विक्रय केंद्र भी स्थापित किया गया है, जिससे स्वयं सहायता समूह के सदस्य अपने उत्पादों का विपणन कर आय बढ़ा सकेंगे।

<><><><><><><>

अंडमान एवं निकोबार प्रशासन के पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग ने ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए हाल ही में वेबी स्थित पशु चिकित्सालय के अंतर्गत मोहनपुर, लाटाव और देवपुर गांवों के 19 लाभार्थियों को चार सौ पैंसठ कुक्कुट पक्षियों का वितरण किया। जिसका उद्देश्य ग्रामीण परिवारों में बैकयार्ड पोल्ट्री को बढ़ावा देना, अतिरिक्त आय के अवसर सृजित करना तथा दूरस्थ क्षेत्रों में पोषण सुरक्षा को मजबूत करना है। लाभार्थियों को गुणवत्तापूर्ण चूजों के साथ वैज्ञानिक तरीके से पालन—पोषण, संतुलित आहार, स्वास्थ्य प्रबंधन और जैव सुरक्षा संबंधी आवश्यक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया।

<><><><><><><>